Unique Paper Code	:	12315405_OC
Paper Type	:	GE
Name of the Paper	:	Religion and Religiosity (NC)
Name of the Course	:	B. A. (Hons.) History
Semester	:	IV
Duration	:	3 Hours
Maximum Marks	:	75

Instructions for Candidates

1. Attempt any **four** questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Answers may be written in Hindi or English but the same medium should be followed throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए.

2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं.

3. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए.

1. How did Puranic religion differ from the Vedic traditions? Discuss with reference to the historical context.
पौराणिक धर्म वैदिक परंपराओं से किस प्रकार भिन्न थे? ऐतिहासिक संदर्भ में विवेचना करें।

2. Analyse the rise of the 'renunciatory traditions' in ancient India with reference to Buddhism and Jainism.
प्राचीन भारत में 'सन्यास प्रधान परंपराओं' के उदय का विश्लेषण बौद्ध व जैन धर्म के संदर्भ में करें।

3. Write an essay on the various aspects of the rise of Hindu 'pilgrimage centres' in early medieval India.
पूर्व मध्यकालीन भारत में हिंदू 'तीर्थ स्थलों' के उदय के विभिन्न पहलुओं पर एक निबंध लिखें।

Or / अथवा

Examine the various approaches that seek to explain the process of conversions to Islam in medieval India.
मध्यकाल में धर्मपरिवर्तन कर के इस्लाम अपनाने की प्रक्रिया की व्याख्या करने के लिए जो अलग अलग नज़रिए हैं उनका मूल्यांकन कीजिए।

4. Discuss various aspects of belief and practice of Sufism in India in the thirteenth and the fourteenth centuries.
तेरहवीं व चौदहवीं सदी में भारत में सूफ़ी मत की आस्था व आचरण के विभिन्न पहलुओं की विवेचना कीजिए।

5. What role did the colonial policies play in the making of the communal identities in India in the nineteenth century?
उन्नीसवीं सदी के भारत में साम्प्रदायिक अस्मिताओं के बनने में औपनिवेशिक नीतियों ने क्या भूमिका अदा की?

6. Give an account of the complex relationship between the ideologies of communalism and nationalism in India after the 1920s.
1920 के दशक के बाद भारत में सम्प्रदायवाद तथा राष्ट्रवाद के बीच के जटिल संबंधों का विवरण दीजिए।